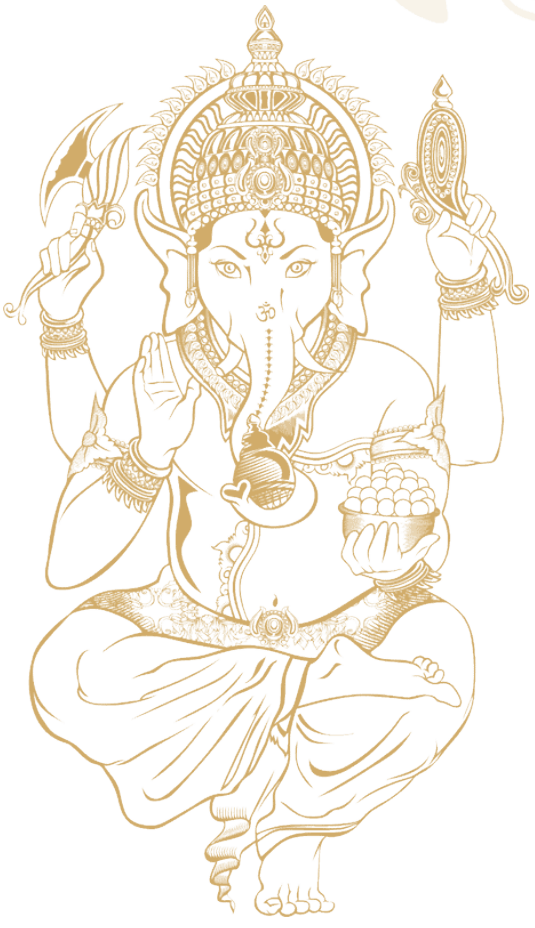

A pareek

Ritu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121347304

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 25-26/10/1988 | जन्म तिथि | 26/02/1998 |
| मंगल-बुधवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 02:25:00 | जन्म समय | 11:45:00 घंटे |
| घटी 49:41:40 | जन्म समय(घटी) | 12:06:45 घटी |
| India | देश | India |
| Jaipur Rly Station | स्थान | Dinhata |
| 26:54:00 उत्तर | अक्षांश | 26:07:00 उत्तर |
| 75:48:00 पूर्व | रेखांश | 89:34:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:48 | स्थानिक संस्कार | 00:28:16 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:32:20 | सूर्योदय | 05:58:41 |
| 17:48:24 | सूर्यास्त | 17:31:03 |
| 23:42:07 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:49:48 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 12वर्ष 6मा 27दि | 13:10:45 | सिंह | लग्न | वृष | 28:13:02 | राहु 17वर्ष 4मा 15दि |
| राहु | 08:57:44 | तुला | सूर्य | कुंभ | 13:36:45 | गुरु |
| 24/05/2024 | 18:16:58 | मेष | चंद्र | कुंभ | 07:07:46 | 13/07/2015 |
| 24/05/2042 | 06:12:45 | मीन व | मंगल | मीन | 01:10:52 | 13/07/2031 |
| राहु 04/02/2027 | 20:38:35 | कन्या | बुध | कुंभ | 16:58:21 | गुरु 30/08/2017 |
| गुरु 30/06/2029 | 10:49:50 | वृष व | गुरु | कुंभ | 11:23:57 | शनि 13/03/2020 |
| शनि 05/05/2032 | 01:22:30 | कन्या | शुक्र | मक | 01:45:05 | बुध 19/06/2022 |
| बुध 23/11/2034 | 04:41:41 | धनु | शनि | मीन | 23:58:03 | केतु 26/05/2023 |
| केतु 11/12/2035 | 19:18:18 | कुंभ व | राहु व | सिंह | 16:42:03 | शुक्र 24/01/2026 |
| शुक्र 11/12/2038 | 19:18:18 | सिंह व | केतु व | कुंभ | 16:42:03 | सूर्य 12/11/2026 |
| सूर्य 05/11/2039 | 04:23:55 | धनु | हर्ष | मक | 16:29:27 | चन्द्र 13/03/2028 |
| चन्द्र 06/05/2041 | 14:05:32 | धनु | नेप | मक | 07:09:55 | मंगल 17/02/2029 |
| मंगल 24/05/2042 | 18:24:39 | तुला | प्लूटो | वृश्चि | 14:11:05 | राहु 13/07/2031 |

**लग्न-चलित**

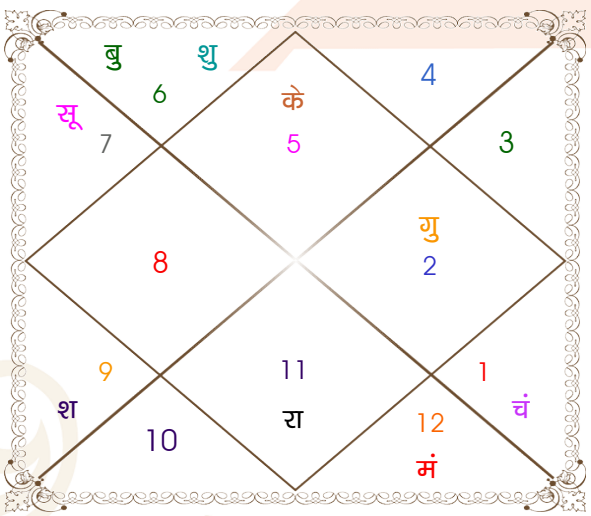


**लग्न-चलित**

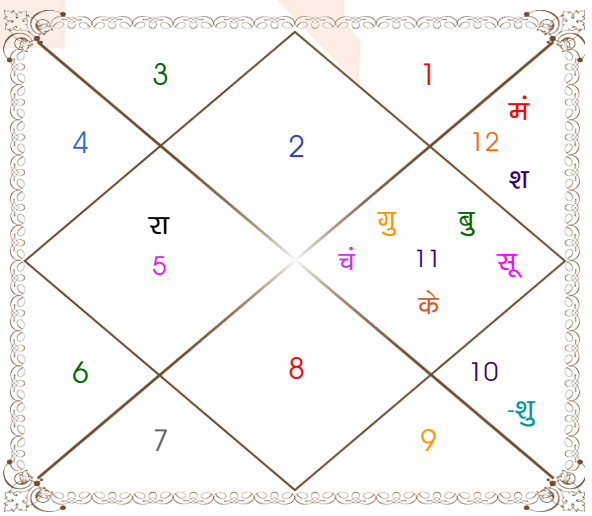

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | अश्व | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | शनि | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | मेष | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 21.00 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

A pareek का वर्ग मृग है तथा Ritu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार A pareek और Ritu का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

A pareek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A pareek कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ritu कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A pareek तथा Ritu में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।